राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 3 अंक 89

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, शनिवार, 7 सितंबर 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 16

डॉटर ऑफ दी नेशन से सम्मानित होंगी लता मंगेशकर

>> 7

सरोकार

स्वच्छता की मिसाल बना वैष्णो देवी तीर्थ

जम्मू : श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड को शुक्रवार को राष्ट्रपति ने देश के 'सर्वश्रेष्ठ स्वच्छ प्रतिष्ठित स्थान' के लिए पुरस्कार प्रदान किया। यात्रा मार्ग और बोर्ड के भवनों में स्वच्छता और वर्षा जल संचयन आदि युक्तियां अपना कर वैष्णो देवी तीर्थ ने तमाम स्थलों को पीछे छोड़ दिया। (पेज-10)

जागरण विशेष

हौसले के पहाड़ तले दब गई दिव्यांगता

पानीपत : पैरों से कमजोर होने के कारण जो लड़खड़ाकर गिरता था, इरादों से बुलंद होने के कारण आज विश्व विजेता बन गया है। जी हां, हरियाणा के बुआना लाखू गांव के 17 वर्षीय नवदीप ने विश्व जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल कर दिखाया। (पेज-10)

विश्वास News

फर्जी है चूना से 70 बीमारियों के इलाज का दावा ?

विश्वास न्यूज की पड़ताल • पेज 7

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▶ पृष्ठ 3

यूएपीए के संशोधित कानून की वैधानिकता परखेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली : गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) संशोधन अधिनियम (यूएपीए) 2019 की वैधानिकता सुप्रीम कोर्ट परखेगा। कोर्ट ने शुक्रवार को संशोधित कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

नेशनल न्यूज ▶ पृष्ठ 6

उप्र में आइएएस अधिकारी पर पत्नी की हत्या का केस दर्ज

लखनऊ : लखनऊ में सूडा (स्टेट अर्बन डेवलमेंट एजेंसी, उप्र) निदेशक आइएएस अधिकारी उमेश सिंह पर पत्नी अनीता की हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। अनीता के चचेरे भाई राजीव ने उमेश के खिलाफ यह मुकदमा दर्ज कराया है।

बिजनेस ▶ पृष्ठ 12

जीएसटी घटाने की मांग राज्यों से भी करे कंपोनेंट इंडस्ट्री

नई दिल्ली : केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री अनुराग ठाकुर ने ऑटो कंपोनेंट पर जीएसटी की दर घटाने की निरंतर मांग कर रही इंडस्ट्री से कहा है कि वह इस मुद्दे को राज्य सरकारों के समक्ष भी रखे। केंद्र के मुताबिक दर में कमी का फैसला लेने का अधिकार जीएसटी काउंसिल का है और इसमें राज्यों की भी भागीदारी है।

अंतरराष्ट्रीय ▶ पृष्ठ 13

जिंबाब्वे के हीरो से विलेन बने रॉबर्ट मुगाबे का निधन

हरारे : अफ्रीकी देश जिंबाब्वे की आजादी के हीरो रहे पूर्व राष्ट्रपति रॉबर्ट मुगाबे का शुक्रवार को 95 साल की उम्र में सिंगापुर में निधन हो गया। 37 साल तक सत्ता में रहने के दौरान उनके तानाशाह रवैये के चलते जिंबाब्वे में उनकी छवि विलेन की बन गई थी।

विदेशी नहीं, भारत के मूल निवासी थे आर्य

अरविंद कुमार द्विवेदी, नई दिल्ली

आर्य न तो विदेशी थे और न ही उन्होंने कभी भारत पर आक्रमण किया। आर्य भारत के मूल निवासी थे। हरियाणा के हिसार जिले के राखीगढ़ी में पुरातत्व विभाग की खोदाई में मिले दो मानव कंकालों (एक महिला व एक पुरुष) की डीएनए रिपोर्ट के अध्ययन और कई सैंपलों से जुटाए गए आर्कियोलॉजिकल और जेनेटिक डेटा के विश्लेषण से वैज्ञानिक इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक आर्य और द्रविड़ एक ही थे।

राखीगढ़ी हड़प्पा सभ्यता के सबसे बड़े केंद्रों में से एक है। करीब 300 एकड़ में वर्ष-2015 में पुरातत्वविदों ने यहां खोदाई शुरू की थी। राखीगढ़ी साइट की रिसर्च टीम के सदस्य और पुणे स्थित डेक्कन कॉलेज डीम्ड यूनिवर्सिटी के पूर्व वाइस चांसलर प्रो. वसंत शिंदे और जेनेटिक साइंटिस्ट डॉ. नीरज राय ने शुक्रवार को इंटैक में प्रेसवार्ता कर यह जानकारी दी। प्रो. शिंदे की यह रिपोर्ट प्रतिष्ठित जर्नल 'सेल' में प्रकाशित हो चुकी है। प्रो. शिंदे ने बताया कि राखीगढ़ी में चल रही हड़प्पा कालीन सभ्यता की खोदाई में पांच हजार साल पुराने दो मानव कंकाल मिले थे। इनकी डीएनए जांच के लिए सैंपल जुटाए गए। अध्ययन में पता चला कि अफगानिस्तान से अंडमान तक सभी का एक ही जीन है। करीब 12 हजार साल से संपूर्ण दक्षिण एशिया वासियों का एक ही जीन रहा है, यानी सबके एक ही पूर्वज रहे हैं। इससे आर्य के बाहर से आने की थ्योरी गलत साबित हो जाती है। शिंदे ने कहा, वह भारत सरकार से अनुरोध करेंगे कि इतिहास की पुस्तकों में इन नए तथ्यों को शामिल किया जाए।

बदलेगा इतिहास

- हिसार के राखीगढ़ी गांव की खोदाई में मिले दो मानव कंकालों की डीएनए रिपोर्ट से सामने आया सच
- आर्य ने कभी भारत पर आक्रमण नहीं किया, संपूर्ण दक्षिण एशिया के लोगों के पूर्वज एक ही थे

नई दिल्ली में शुक्रवार को प्रो. वीएस शिंदे व डॉ. नीरज राय ने राखीगढ़ी में मिले मानव कंकालों की डीएनए रिपोर्ट के विश्लेषण से तैयार रिपोर्ट सार्वजनिक की। जागरण

भारत में विदेशियों के आने से जीन में मिलावट होती रही : डॉ. नीरज राय ने बताया कि अगर आर्य बाहर से आए होते और नरसंहार किया होता तो वे अपनी संस्कृति लाते और हमारी संस्कृति को नष्ट कर देते। मानव कंकाल पर कहीं चोट या घाव के ऐसे निशान नहीं मिले हैं, जिनसे नरसंहार की बात साबित हो। व्यापार आदि के लिए भारत में विदेशियों के आने से समय-समय पर जीन में मिलावट होती रही। वहीं, बहुत से भारतीय भी विदेश जाते रहे और वापस आकर वे भारत के अलग-अलग हिस्सों में बस गए। प्रो. शिंदे ने बताया कि राखीगढ़ी में अलग-अलग आकार व आकृति के हवन कुंड व कोयले के अवशेष मिले हैं। इससे साबित होता है कि करीब पांच हजार साल पहले भी भारत में हवन होता था। सरस्वती नदी के किनारे भी हड़प्पा सभ्यता के निशान मिले हैं, ये लोग सरस्वती की पूजा भी करते थे। (पेज-5 भी देखें)

इतिहास का साक्षी बनने को जागती रही दुनिया

जेएनएन, नई दिल्ली

इतिहास कई बार बस एक पल में रचा जाता है। बीती रात भारत के सवा अरब लोगों को भी ऐसे ही ऐतिहासिक पल का इंतजार रहा। इस इतिहास का साक्षी बनने के लिए पूरी दुनिया में लोग निगाहें टिकाए रहे। आप जब अखबार पढ़ रहे होंगे, तब संभवतः भारत दुनिया का चौथा ऐसा देश बन चुका होगा, जिसने चांद पर यान उतारा है। इससे पहले अमेरिका, रूस और चीन अपना यान चांद पर उतार चुके हैं।

भारत के चंद्रयान-2 ने 22 जुलाई को चांद के लिए अपने सफर की शुरुआत की थी। तब से ही पड़ाव-दर-पड़ाव यह इतिहास रचने की ओर बढ़ रहा था। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने यान के लैंडर विक्रम को चांद की सतह पर उतारने के लिए शुक्रवार-शनिवार की दरम्यानी रात डेढ़ से ढाई बजे के बीच का समय तय किया था। इस क्षण की ऐतिहासिकता का अनुमान इस बात से भी लगता है कि अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के वैज्ञानिक भी इसके पल-पल के घटनाक्रम पर निगाह बनाए हुए थे। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी स्कूली बच्चों के साथ इस क्षण का साक्षी बनने इसरो के बेंगलुरु स्थित मुख्यालय पहुंचे थे।

कब हुआ था लांच? : चंद्रयान-2 को 22 जुलाई को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया गया था। इसरो के सबसे भारी रॉकेट जीएसएलवी-मार्क3 ने इसे लेकर उड़ान भरी थी। पहले इसकी लांचिंग 15 जुलाई को प्रस्तावित थी, लेकिन तकनीकी कारणों से अंतिम क्षणों में इसे टाल दिया गया था।

23 दिन रहा धरती के इर्द-गिर्द : लांचिंग के बाद चंद्रयान-2 ने तीन हफ्ते तक धरती की परिक्रमा की। इस दौरान इसकी कक्षा में पांच बार बदलाव किया गया। सफर के 24वें दिन 14 अगस्त को छठे बदलाव के जरिये यान को लूनर ट्रांसफर ट्रेजेक्टरी (एलटीटी) पर पहुंचा दिया गया। इस पथ पर हफ्तेभर के सफर के बाद 20 अगस्त को यान ने चांद की कक्षा में प्रवेश किया था। एक सितंबर को इसे चांद की निकटतम कक्षा में पहुंचाया गया था। उल्लेखनीय है कि भारतीय वैज्ञानिक नित नए कमाल कर रहे हैं। पूरी दुनिया उनकी प्रतिभा को सलाम कर रही है। आज आलम यह है कि दुनिया के तमाम देश अंतरिक्ष के क्षेत्र में हमारे पीछे चल रहे हैं। (पेज-5 भी देखें)

- 'विक्रम' की लैंडिंग के लिए इसरो ने डेढ़ से ढाई बजे रात का समय किया था तय

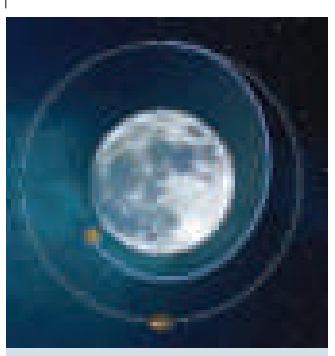

यान के हैं तीन हिस्से

भारत के अति महत्वाकांक्षी अभियान चंद्रयान-2 के यान के तीन हिस्से हैं - ऑर्बिटर, लैंडर 'विक्रम' और रोवर 'प्रज्ञान'। ऑर्बिटर सालभर चांद की परिक्रमा करते हुए जानकारियां हासिल करेगा और उन्हें अत्याधुनिक उपकरणों की मदद से इसरो को भेजेगा, जहां भारतीय अंतरिक्ष विज्ञानी उनका अध्ययन करेंगे। वहीं लैंडर और रोवर पर चांद की सतह पर प्रयोग करने की जिम्मेदारी होगी। लैंडर-रोवर को ऑर्बिटर से अलग करने की प्रक्रिया दो सितंबर को पूरी की गई थी। इसके बाद तीन और चार सितंबर को कक्षा कम करते हुए इन्हें चांद के नजदीक पहुंचाया गया था।

भारत का दूसरा चंद्र अभियान

यह भारत का दूसरा चंद्र अभियान है। वर्ष 2008 में चंद्रयान-1 को भेजा गया था। यह ऑर्बिटर मिशन था। यान ने करीब 10 महीनों तक चांद की परिक्रमा करते हुए तमाम प्रयोगों को अंजाम दिया था। चांद पर पानी की खोज का श्रेय भारत के इसी अभियान को जाता है। चंद्रयान-2 यहां पानी की उपस्थिति के प्रमाण जुटाएगा। साथ ही इससे चांद की सतह पर खनिज की उपस्थिति का भी पता लगने की उम्मीद है।

करतारपुर कॉरिडोर पर नापाक दांव

चालबाजी ▶ भारत और अन्य देशों के सिखों के लिए अलग-अलग वीजा का फैसला

खालिस्तान समर्थक गतिविधियों पर भारत के सौंपे डोजियर का पड़ोसी देश ने दिया बेतुका जवाब

जयप्रकाश रंजन, नई दिल्ली

करतारपुर कॉरिडोर को लेकर पाकिस्तान भले ही भारत से बात कर रहा हो, लेकिन उसकी बदनीयती बार-बार सामने आ रही है। तीन सितंबर को हुई द्विपक्षीय वार्ता में पाकिस्तान सरकार ने भारत से जाने वाले श्रद्धालुओं से 20 डॉलर प्रति यात्री वसूलने का प्रस्ताव रखा था। अब पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने करतारपुर जाने वाले सिख श्रद्धालुओं को वीजा की दो श्रेणियों में बांटने का फैसला किया है। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक, एक श्रेणी भारत में रहने वाले और दूसरी दुनिया के अन्य देशों में रहने वाले भारतीय मूल के सिखों की होगी। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय जल्द ही नीति में इस बदलाव के फैसले पर कैबिनेट से मंजूरी हासिल करेगा। खास बात यह है कि तीन दिन पहले तक पाकिस्तान इस कॉरिडोर के जरिये वीजा मुक्त आवागमन की बात कह रहा था। इसके अलावा उसने भारत पर बेतुका आरोप लगाया है कि करतारपुर कॉरिडोर पर वार्ता की आड़ में भारतीय खुफिया एजेंसियां सक्रिय हैं। दरअसल भारत ने जुलाई, 2019 में करतारपुर कॉरिडोर पर हुई वार्ता में एक डोजियर सौंपा था जिसमें खालिस्तान समर्थकों की गतिविधियों का जिक्र किया गया था। भारत को उम्मीद थी कि पाकिस्तान डोजियर पर गंभीरता से विचार करेगा और कॉरिडोर को भारत विरोधी गतिविधियों से मुक्त रखने के लिए कदम उठाएगा।

सूत्रों के मुताबिक, मंगलवार को अटारी बॉर्डर पर हुई द्विपक्षीय वार्ता के दौरान पाकिस्तानी पक्ष की तरफ से एक डोजियर दिया गया है जिसमें कही गई हर बात आधारहीन है। इसमें बताया गया है कि करतारपुर को लेकर हो रही बातचीत में भारतीय खुफिया एजेंसी 'रॉ' के अधिकारी शामिल हैं और वे बातचीत को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं। हास्यास्पद बात यह कि भारत ने करतापुर कॉरिडोर की सुरक्षा को लेकर जो सवाल पूछे थे उनका कोई जवाब नहीं दिया गया है। भारत ने इस बात का ठोस आश्वासन मांगा था कि इस कॉरिडोर के जरिये किसी भी तरह की भारत विरोधी गतिविधियां नहीं होंगी। भारत ने यह भी जानना चाहा है कि पाकिस्तान अपने यहां के आतंकी संगठनों या अन्य आतंकियों से कॉरिडोर के यात्रियों को सुरक्षित रखने के लिए क्या कर रहा है। इसका जवाब भी नहीं दिया गया है।

करतारपुर कॉरिडोर के जरिये खालिस्तान समर्थकों को भड़काने की आशंका भारत की एक बड़ी चिंता है। हाल के दिनों में जिस तरह कश्मीर मुद्दे को लेकर दुनिया के कई देशों में पाकिस्तान सरकार ने खालिस्तान समर्थकों को भारत के खिलाफ उतारने की कोशिश की है उससे यह चिंता और बढ़ी है। पाकिस्तान स्थित दूसरे गुरुद्वारों में जो भारतीय सिख जाते हैं वे पहले भी इस बात की शिकायत करते रहे हैं कि वहां पाकिस्तानी अधिकारियों की तरफ से खालिस्तान समर्थक बातें की जाती हैं। खालिस्तान समर्थक प्रपत्र बांटे जाने और उनके पोस्टर लगाने की कई घटनाएं पहले भी आती रही हैं। यही वजह है कि भारत इस मुद्दे को लेकर सतर्क रहना चाहता है।

सनद रहे कि तीन सितंबर की बातचीत में पाकिस्तान की तरफ से वहां जाने वाले हर यात्री से 20 डॉलर की राशि वसूलने के प्रस्ताव को भारत ने खारिज कर दिया था। यह एक बड़ी वजह थी कि दोनों देशों के बीच करतारपुर कॉरिडोर पर कोई समझौता नहीं हो सका था। अगर पाकिस्तान का रवैया इसी तरह का रहा तो समझौते की राह में और अड़चनें आ सकती हैं।

- कहा, करतारपुर कॉरिडोर पर वार्ता की आड़ में भारतीय खुफिया एजेंसियां सक्रिय
- तीन दिन पहले बैठक में प्रति श्रद्धालु 20 डॉलर वसूलने का किया था प्रस्ताव

करतारपुर कॉरिडोर के मामले पर गत दिवस हुई थी बैठक। फाइल फोटो

अलवर में थाने में फायरिंग कर छुड़ा ले गए हरियाणा का बदमाश

जागरण संवाददाता, बहरोड़ (अलवर)

दो वर्ष पूर्व हरियाणा के महेंद्रगढ़ की अदालत से पुलिसकर्मियों को गोली मारकर फरार हुआ इनामी बदमाश विक्रम उर्फ पपला शुक्रवार को राजस्थान पुलिस के हत्थे चढ़ गया। बहरोड़ पुलिस ने उसे हवालात में बंद कर दिया, मगर कुछ घंटों बाद ही तीन कारों में आए 15 बदमाश एके-47 जैसे हथियार लेकर थाने में घुसे और फायरिंग करते हुए उसे छुड़ा ले गए। बदमाशों को पकड़ने के लिए पुलिस की कई टीमें लगाई गई हैं।

अलवर जिले के बहरोड़ थाने की पुलिस ने शुक्रवार तड़के हरियाणा के महेंद्रगढ़ के गांव खेरोली निवासी पपला को पकड़ा। गिरफ्तारी के समय उसकी कार से 31 लाख 90 हजार रुपये भी मिले थे। सुबह करीब 9 बजे तीन कारों में आए हथियारबंद बदमाश थाने में घुसे और फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुए हमले से पुलिसकर्मी घबरा गए तथा भाग खड़े हुए। लॉकअप की चाबी नहीं मिलने पर बदमाशों ने ताला तोड़ दिया तथा पपला को साथ ले गए। बदमाशों ने एके-47 से करीब 45 राउंड फायर किए। भागते समय बदमाशों की एक आइ-10 कार रास्ते में खराब हो गई। उन्होंने एक चालक से स्कार्पियो छीन ली और उसमें बैठ कर फरार हो गए। ज्ञात हो, डॉक्टर गैंग के कुख्यात शूटर विक्रम उर्फ पपला पर सितंबर 2017 में हुई गिरफ्तारी से पहले हरियाणा पुलिस ने पांच लाख का इनाम रखा था। 8 सितंबर 2017 को महेंद्रगढ़ कोर्ट में पेशी के दौरान पपला के साथी पुलिस पार्टी पर फायरिंग कर उसे छुड़ा ले गए थे। पुलिस ने तब विक्रम पर दूसरी बार एक लाख रुपये का इनाम रखा था। वर्तमान में उस पर एक लाख रुपये का इनाम है।

- सुबह पुलिस ने कुख्यात अपराधी विक्रम उर्फ पपला को किया था गिरफ्तार
- एके-47 लेकर पहुंचे साथियों ने की अंधाधुंध फायरिंग, भागे पुलिसकर्मी

कश्मीर में अब मोबाइल सेवा बहाल करने की तैयारी

श्रीनगर : कश्मीर घाटी में लैंडलाइन टेलीफोन सेवा के बाद प्रशासन अगले चरण में मोबाइल सेवाओं को बहाल करने जा रहा है। फिलहाल इंटरनेट सेवा बंद रहेंगी। प्रयोग के तौर पर उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में कुछ जगहों पर मोबाइल सेवा को आंशिक रूप से बहाल भी किया जा चुका है। स्थिति की लगातार समीक्षा करते हुए विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों से फीडबैक भी लिया जा रहा है, ताकि कानून व्यवस्था की सुधरती स्थिति पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े। (पेज-7)

पर्यटन के लिहाज से दुनिया का सर्वश्रेष्ठ देश है स्पेन

वाशिंगटन : अगर आप घूमने-फिरने के शौकीन हैं, दुनिया में बिखरे प्रकृति के सौंदर्य को नजदीक से निहारना चाहते हैं, स्थापत्य कला को देखना चाहते हैं तो यह खबर आपके लिए अहम है। जी हां, इन सारी खूबियों को समेटे देशों से हम आपको रूबरू करा रहे हैं। इन देशों में शीर्ष पर स्पेन है। इस यूरोपीय देश ने चार हजार किमी से ज्यादा क्षेत्र में फैले समुद्र तटों और यूनेस्को की 48 विश्व धरोहरों के साथ पर्यटन की दुनिया में अपना दबदबा कायम रखा है। (पेज-16)

मेट्रो में महिलाओं को मुफ्त यात्रा कराने की योजना पर सुप्रीम कोर्ट ने उठाए सवाल

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली सरकार की मेट्रो में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा पर सवाल उठाए। कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल सरकार से पूछा कि वह मुफ्त सौगात क्यों बांट रही है, इससे तो दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) को घाटा हो सकता है। सरकार को जनता के पैसे से इस तरह मुफ्त सौगात बांटने से बचना चाहिए। साथ ही चेताया कि कोर्ट शक्तिहीन नहीं है और इस पर रोक लगा सकता है।

जस्टिस अरुण मिश्रा और दीपक गुप्ता की पीठ ने मेट्रो के चौथे चरण के निर्माण के लिए जमीन अधिग्रहण की आधी-आधी कीमत केंद्र और दिल्ली सरकार द्वारा वहन किए जाने के मुद्दे पर सुनवाई के दौरान ये टिप्पणियां की। पीठ ने दिल्ली सरकार के वकील से कहा, आप मुफ्त सौगात क्यों दे रहे हैं। अगर आप लोगों को मुफ्त यात्रा करने की इजाजत देंगे तो इससे दिल्ली मेट्रो घाटे में जा सकती है। ये जनता का पैसा है सरकार को इसे खर्च करने में सावधानी बरतनी चाहिए। ऐसे फैसलों से बचना चाहिए। दिल्ली सरकार की ओर से जब मेट्रो पर कर्ज के भुगतान में चूक होने की स्थिति की बात की गई तो जस्टिस गुप्ता ने कहा, अगर आप लोगों को मुफ्त यात्रा करने की इजाजत देते हैं तो यह समस्या होगी।

जस्टिस मिश्रा ने कहा कि दिल्ली सरकार पर यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी है कि दिल्ली मेट्रो को घाटा न हो। अगर मेट्रो को घाटा होता है तो दिल्ली सरकार को वहन करना होगा। पीठ ने कहा कि एक तरफ आप मुफ्त सौगात बांट रहे हैं और दूसरी तरफ मेट्रो में घाटे की बात करते हुए केंद्र से पैसा दिलाने की मांग कर रहे हैं। आपके पास जो पैसा है वह जनता का है और अगर आप उसका दुरुपयोग करेंगे तो अदालत शक्तिहीन नहीं है वह रोक लगा देगी। हालांकि दिल्ली सरकार के वकील ने कहा कि अभी योजना लागू नहीं हुई है।

कोर्ट ने दिल्ली सरकार को राहत देते हुए निर्देश दिया कि मेट्रो के चौथे चरण के लिए जमीन अधिग्रहण की कीमत केंद्र और दिल्ली सरकार बराबर-बराबर वहन करेंगी। दोनों को मिल कर 2447.19 करोड़ का खर्च उठाना है। कोर्ट ने दोनों से इस बावत तौर तरीके तय कर तीन सप्ताह में जमीन की कीमत जारी करने को कहा है। लेकिन केंद्र सरकार ने आधी कीमत वहन करने के आदेश का विरोध करते हुए कहा कि इस तरह तो सभी राज्य आ जाएंगे और उससे आधी कीमत मांगेंगे। इस पर पीठ ने साफ किया कि यह आदेश सिर्फ दिल्ली के लिए है।

कहा, मुफ्त सौगात बांटने से बचें दिल्ली सरकार, जनता के धन का हो सही इस्तेमाल

समय का फेर

सेल में पंखा तक नहीं, फर्श पर सोए, उमस ने किया परेशान, वकीलों के साथ बेटे कार्ति ने की जेल में भेंट, आइएनएक्स मीडिया मामले में 19 तक न्यायिक हिरासत में

जेल में देर से उठे चिदंबरम, प्रार्थना में नहीं हुए शामिल

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

यह समय का फेर है। वर्षों तक सत्ता और राष्ट्रीय राजनीति में अहम रहे पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री पी. चिदंबरम अब तिहाड़ की उस जेल में हैं, जहां दुर्दांत आतंकियों से लेकर अलगाववादी तक कैद हैं। जेल संख्या-7 में गुरुवार पूरी रात बिताने के बाद शुक्रवार को देर से सोकर उठने के कारण वह सुबह की प्रार्थना में शामिल नहीं हुए, लेकिन उनका पूरा दिन सामान्य कैदी की तरह बीता और वह सामान्य नजर आ रहे थे। उनसे मिलने वालों में वकीलों के अलावा बेटे कार्ति भी रहे। तिहाड़ से निकलते वक्त कार्ति के चेहरे पर पिता के लिए चिंता का भाव था।

विशेष सीबीआइ अदालत ने गुरुवार को आइएनएक्स मीडिया मामले में चिदंबरम को 19 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेजा था। सूत्रों के मुताबिक, चिदंबरम की गुरुवार की रात कठिनाइयों में बीती। वह फर्श पर दरी पर सोए। सेल में एक पंखा लगा है। उमस से कुछ परेशान हुए। जेल की दिनचर्या उन्हें रास नहीं आई। सुबह कुछ देरी से उठे, जिसकी वजह से सुबह की प्रार्थना में कैदियों के साथ शामिल नहीं हुए। प्रार्थना में शामिल होना या न होना कैदी की इच्छा पर निर्भर करता है।

कैंटीन से आ रहा पानी : तिहाड़ में कैदियों के लिए कैंटीन की सुविधा है। चिदंबरम वहां से पानी की बोतल मंगाकर इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन खाना वही खा रहे हैं जो सभी कैदियों के लिए जेल की रसोई में बनता है। नाश्ते से लेकर दोपहर और रात का भोजन उन्होंने किया। जेल अधिकारियों का कहना है कि अभी तक उन्होंने कोई विशेष आग्रह नहीं किया है।

जेल नंबर-7 में हैं यासीन मलिक व मिशेल : जेल नंबर-7 में अलगाववादी नेता यासीन मलिक, अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर घोटाले के आरोपित क्रिश्चियन मिशेल भी बंद हैं, लेकिन चिदंबरम की सेल वहां से काफी दूर है। उनकी सेल दो बैरकों के बीच बनी है, ताकि वार्ड में एकाकीपन न रहे। (पेज-6 भी देखें)

पी. चिदंबरम फाइल फोटो

खूब पढ़ रहे अखबार

चिदंबरम जिस सेल में हैं, उसमें टेलीवीजन नहीं है। वह चाहें तो पास की बैरक में जाकर अन्य कैदियों के साथ टेलीविजन देख सकते हैं, लेकिन उन्होंने शुक्रवार को ऐसा नहीं किया। उनके पास वह तमाम अखबार आ रहे हैं, जो जेल प्रशासन कैदियों के लिए मंगाता है। यदि उन्हें कोई खास अखबार मंगाना हो तो मंगा सकते हैं, लेकिन अभी तक उन्होंने ऐसी कोई मांग नहीं की है। शुक्रवार को उनका अधिकांश समय अखबारों के बीच बीता।

आइएनएक्स मीडिया मामला

सीबीआइ ने 15 मई 2017 को आइएनएक्स मीडिया मामले में एफआइआर दर्ज की थी। आरोप है कि चिदंबरम के वित्त मंत्री रहने के दौरान 2007 में 305 करोड़ रुपये की विदेशी धनराशि प्राप्त करने के लिए आइएनएक्स मीडिया समूह को दी गई एफआइपीबी (विदेशी निवेश संवर्द्धन बोर्ड) मंजूरी में अनियमितताएं हुईं। इस मामले में ईडी ने पिछले साल मनी लांड्रिंग का मामला दर्ज किया था। सीबीआइ और ईडी केस में जांच कर रही हैं कि कैसे पी चिदंबरम के बेटे कार्ति को 2007 में एफआइपीबी से आइएनएक्स मीडिया के लिए मंजूरी मिल गई थी। आइएनएक्स मीडिया के निदेशक पीटर मुखर्जी और इंद्राणी मुखर्जी ने चिदंबरम से मुलाकात की थी। इंद्राणी सरकारी गवाह बन चुकी हैं।

जेएनयू की पूर्व छात्रा शेहला रशीद पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की पूर्व छात्रा और कश्मीरी अलगाववादी समर्थक शेहला रशीद के खिलाफ दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने देशद्रोह का मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि उसने भारतीय सेना को लेकर ट्वीट के जरिये भ्रामक और गलत जानकारियां प्रसारित की थी। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी किए जाने के बाद सशस्त्र बलों द्वारा आम लोगों को प्रताड़ित करने और उनके घरों में तोड़फोड़ किए जाने की अफवाह भी फैलाई थी।

सुप्रीम कोर्ट के वकील अलख आलोक श्रीवास्तव ने इस ट्वीट की शिकायत दिल्ली पुलिस आयुक्त अमूल्य पटनायक से की थी, जिसकी जांच विशेष प्रकोष्ठ को सौंप दी गई थी। कानूनी राय लेने के बाद पुलिस ने अब मुकदमा दर्ज किया है। शेहला ने 17 अगस्त को एक के बाद एक कई ट्वीट कर आरोप लगाया था कि जम्मू-कश्मीर में सशस्त्र बल के जवान लोगों के घरों में घुसे और तोड़फोड़ की। जवानों ने शोपियां में चार लोगों को सैन्य शिविर में बुलाकर प्रताड़ित भी किया। उसने आरोप लगाए थे कि सेना के जवान रात में लोगों के घरों में घुसकर लड़कों को उठा रहे हैं। इस ट्वीट को सेना ने बेबुनियाद करार दिया था।

दरअसल रशीद का यह पहला ट्वीट नहीं है। इसके पहले भी शेहला कई बार फर्जी और विवादित ट्वीट कर चुकी है। पुलवामा आतंकी हमले के बाद उसने जो ट्वीट किए थे उनके खिलाफ भी देहरादून में शिकायत दर्ज कराई गई थी। वर्ष 2018 में शेहला ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के खिलाफ भी फर्जी ट्वीट किया था।

शेहला रशीद फाइल फोटो

अनुच्छेद 370 हटाने के बाद सेना को लेकर किए थे विवादित ट्वीट